डॉ. कपिल देव शर्मा
निदेशक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन,
रूड़की-247667

निदेशक की कलम से.....

बड़े हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर राजभाषा हिन्दी से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के साथ-साथ अपनी वार्षिक हिन्दी पत्रिका **"प्रवाहिनी"** का प्रकाशन भी कर रहा है । इसमें कोई संदेह नहीं कि राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में इस तरह के प्रयास प्रशंसनीय तथा प्रेरणाप्रद हैं, जिससे वैज्ञानिक तथा तकनीकी लेखन को व्यापक प्रोत्साहन मिलता है । **"प्रवाहिनी"** पत्रिका के प्रकाशन का सदैव यही उद्देश्य रहा है कि संस्थान के सभी पदाधिकारियों को राजभाषा हिन्दी में लिखने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित किए जाए ताकि रोजमर्रा के कार्यो में उनकी झिझक दूर हो सके ।

सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग, प्रचार-प्रसार तथा विकास में अभिवृद्धि सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूडकी हिन्दी सप्ताह, पखवाड़ा, कार्यशाला, संगोष्ठी इत्यादि जैसे अनेकों प्रभावी कार्यक्रमों के आयोजन के साथ-साथ प्रवाहिनी का प्रकाशन भी कर रहा है । प्रवाहिनी का निरन्तर प्रकाशन संस्थान के पदाधिकारियों की सृजनशीलता तथा राजभाषा हिन्दी के प्रति उनकी रूचि को प्रदर्शित करता है ।

प्रस्तुत अंक में संस्थान के अधिकारियों तथा उनके पारिवारजनों के अलावा संस्थानेत्तर व्यक्तियों के रोचक , ज्ञानवर्द्धक तथा महत्वपूर्ण लेखों को भी शामिल किया गया है । पत्रिका में हिन्दी भाषा का उपयोग सरल एवं जन-भाषा के रूप में किया गया है । इस प्रकार के प्रयास वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रशासनिक अधिकारियों का मनोबल बढ़ाते हैं और इससे उनकी हिन्दी में कार्य करने की रूचि बढ़ जाती है ।

मैं प्रवाहिनी के इस अंक के सम्पादन, टंकण, प्रूफ शोधन तथा प्रकाशन संबंधी कार्यो से जुड़े समस्त अधिकारियों तथा उन लेखकों का आभारी हूँ जिनके ज्ञानवर्धक लेखों के माध्यम से प्रवाहिनी पत्रिका के इस अंक का प्रकाशन संभव हो सका है, । मैं इस पत्रिका की अपार सफलता की मंगल कामना करता हूँ ।

(कपिल देव शर्मा)